1	2	3	4	5	6	7
6	गोवा	05	—	—	2.50	0.
7	गुजरात	345	10.50	2,71,324	303.00	63.7
8	हरियाणा	12	0.18	2,495	—	3.19
9	हिमाचल प्रदेश	179	4.76	7,637	399.00	6.75
10	जम्मू एवं कश्मीर	58	—	3,788	—	6.75
11	कर्नाटक	103	1.57	44,347	190.00	10.12
12	केरल	179	1.98	86,598	100.00	23.25
13	मध्य प्रदेश	288	3.77	2,44,700	200.00	27.75
14	महाराष्ट्र	303	3.22	1,45,647	715.00	—
15	उड़ीसा	88	4.65	10,738	376.00	29.78
16	पंजाब	41	0.62	958	—	5.25
17	राजस्थान	36	1.00	8,809	—	69.75
18	तमिलनाडु	69	0.02	46,180	221.00	14.62
19	उत्तर प्रदेश	317	5.98	65,816	281.00	26.64

कृषि क्षेत्र में बिजली और पानी शुल्क में वृद्धि

497. **श्री चतुरानन मिश्र :**
श्री एन. गिरि प्रसाद :

क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :–

(क) क्या यह सच है कि विश्व बैंक ने केन्द्रीय सरकार से कृषि क्षेत्र में बिजली और पानी के शुल्क को बढ़ाने के लिए कहा है; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या-है और सरकार की उस पर क्या प्रति क्रिया है

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) तथा (ख) जी, हां विश्व बैंक समय-समय पर यह सुझाव देता रहा है कि बिजली तथा पानी के शुल्कों को तर्कसंगत बनाया जाए और कृषि के उपयोग हेतु बिजली का शुल्क न्यूनतम 50 पैसे प्रति के डब्ल्यू एच. किया जाए। बिजली तथा पानी के शुल्क के बारे में निर्णय संबंधित राज्य सरकारों द्वारा लिए जाते हैं। अब तक सोलह राज्यों और दो संघ शासित क्षेत्रों ने कृषि के उपयोग हेतु बिजली के शुल्क इस दर पर निर्धारित करने पर सहमति प्रकट की है।

बटर आयल का आयात

498. **श्रीमती कमला सिन्हा :**
डा. बापू कालदाते :
कुमारी सरोज खापर्डे :

क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :–

(क) क्या सरकार देश में बटर आयल की कमी को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड के माध्यम से उसका आयात करने का विचार रखती है अथवा इनका आयात किया है ;

(ख) यदि हां, तो बटर आयल की मांग आरंभ आपूर्ति के बीच 1994 के प्रारंभ में और अगस्त, 1994 के अन्त में कितना अन्तर था ;

(ग) कितनी मात्रा में बटर आयल का आयात किया गया है और किस मूल्य पर इसका आयात किया गया है; और

(घ) बटर आयल के घरेलू मूल्यों पर इसका कुल प्रभाव क्या पड़ा है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) राष्ट्रीय डरी विकास बोर्ड को देश में बटर आयल के आयात की अनुमति दी गई है।

(ख) चूंकि देश में बटर आयल का उत्पादन नहीं किया जाता अतः इसकी आपूर्ति के अनुमान का कोई प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) 1994 के दौरान आयात किए गए बटर आयल का विवरण इस प्रकार है :—

मात्रा/मीटरी टन	प्रति मीटरी टन मूल्य अमेरिकी डालर में
500	1600
2000	1730
800	1770

(घ) भारत बटर आयल का उत्पादन नहीं करता अतः बटर आयल के घरेलू मूल्यों पर किसी प्रकार के प्रभाव का कोई प्रश्न नहीं है ।

केरल में नारियल के मूल्यों में गिरावट

499. **श्री रामचन्द्रन पिल्लै :**

श्री एम. ए. बेबी :
श्री ई. बालानन्दन :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को केरल में नारियल के मूल्यों में अत्यधिक गिरावट की जानकारी है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस प्रकृति को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या उपचारी उपाय किए गए हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) जी, हां ।

(ख) केरल के विभिन्न बाजारों में वर्ष 1994 के प्रथम 9 महीनों के दौरान नारियल के मूल्यों में कुल मिलाकर गिरावट की प्रवृत्ति दिखाई दी । तथापि, अक्तूबर, नवम्बर, 1994 में राज्य के बड़े बाजारों में नारियल के मूल्यों में वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई दी है और ये न्यूनतम समर्थन मूल्य के स्तर के आस-पास रही हैं ।

(ग) सरकार ने कोपरा के बाजारी मूल्य न्यूनतम समर्थन मूल्यों से नीचे गिरने की स्थिति में मूल्य समर्थन आपरेशन शुरू करने के लिए "नेफेड" को नोडल ऐजेंसी के रूप में नामित किया है । 1994 में नारियल के न्यूनतम समर्थन मूल्यों से नीचे गिरने की दृष्टि से, नेफेड ने मूल्य समर्थन आपरेशन शुरू किया है और 30 नवम्बर, 1994 तक केरल, कर्नाटक तथा लक्ष्यद्वीप से 62852 टन कोपरा खरीदा है जिसमें से 61704 टन कोपरा केरल के बाजारों से खरीदा गया है ।

गेहूं और चीनी के समर्थन में मूल्य में वृद्धि करना

500. **श्री राम जेठमलानी :**
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा वर्ष 1994–95 के दौरान रबी की फसल में गेहूं और चीनी के समर्थन मूल्य में वृद्धि की गई है ;

(ख) यदि हां, तो गत वर्ष के मूल्यों की तुलना में यह वृद्धि कितने प्रतिशत है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि सरकार वर्ष 1991–92 से गेहूं और चावल के समर्थन मूल्यों में निरंतर वृद्धि कर रही है ;

(घ) वर्ष 1991–92 से 1993–94 तक की अवधि के दौरान समर्थन मूल्यों में प्रतिवर्ष कितने प्रतिशत वृद्धि की गई है और इस प्रकार वृद्धि करने के क्या आधार थे; और